

मौज हक या

Handwritten notes and calculations including '3/2', '115', '15', '18', '12', '115'.

Handwritten notes including '5/15' and '7/40'.

Vertical handwritten notes on the right side of the page.

1. 1st part of the document - ...

2. 2nd part of the document - ...

3. 3rd part of the document - ...

4. 4th part of the document - ...

5. 5th part of the document - ...

Handwritten calculations: 2833 / 2598

3028 ... 998 ... 22 ... 15.3

निष्ठा वती देवी

Vertical handwritten notes at the bottom right.

Handwritten text at the top of the page, including numbers and names.

Handwritten text below the top section, possibly a date or reference number.

Vertical list of handwritten names or terms on the left side of the page.



Handwritten text to the right of the stamp, possibly a signature or date.

Handwritten text in the middle section, possibly a date.

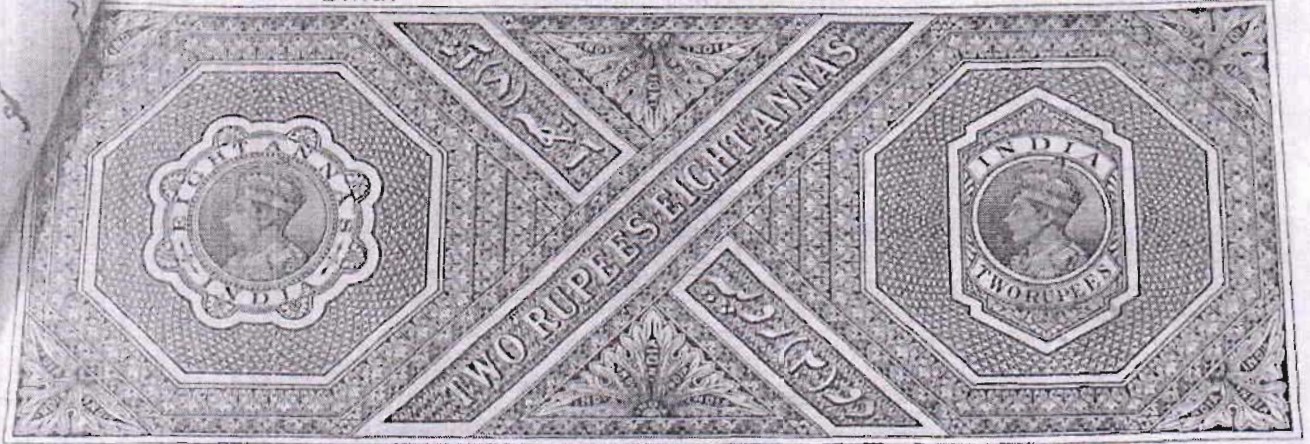
Large block of handwritten text in the middle section, appearing to be a list or description.

Handwritten text below the middle section, possibly a signature or name.

Handwritten text at the bottom of the page, possibly a signature or name.

Handwritten text below the bottom section, possibly a date.

Handwritten text at the very bottom of the page, possibly a signature or name.



दो रूपया आठ आना

उपरोक्त... ६०... ५०... १९६१... १९६२... १९६३... १९६४... १९६५... १९६६... १९६७... १९६८... १९६९... १९७०... १९७१... १९७२... १९७३... १९७४... १९७५... १९७६... १९७७... १९७८... १९७९... १९८०... १९८१... १९८२... १९८३... १९८४... १९८५... १९८६... १९८७... १९८८... १९८९... १९९०... १९९१... १९९२... १९९३... १९९४... १९९५... १९९६... १९९७... १९९८... १९९९... २०००... २००१... २००२... २००३... २००४... २००५... २००६... २००७... २००८... २००९... २०१०... २०११... २०१२... २०१३... २०१४... २०१५... २०१६... २०१७... २०१८... २०१९... २०२०... २०२१... २०२२... २०२३... २०२४... २०२५... २०२६... २०२७... २०२८... २०२९... २०३०...

Handwritten notes and signatures on the right margin, including '11/11/11' and '11/11/11'.

नीला नती केवी

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ - भक्ततीर्था का
 वली - श्री कृष्ण प्रवृत्तये ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

श्री कृष्ण प्रवृत्तये ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नीला गरी देवी

नाम मौकीर :- देवी देआल साहु वल्द प्रयाग राम साहु मु०
जात -अग्रवाल पेशा जमीनदारी वो गिरहस्ती
सा० लोहरदगा प्र० खुसरा धाना लोहरदगा
जीला रांची

नाम मौकीर अहेह :- राम शास्य राम वल्द भोला राम
मु० जात कुमहार पेशा गोरहस्ती वो
नौकरी शा० लोहरदगा प्र० खुसरा धाना
लोहरदगा जीला रांची

कोसी म वसीका :- बीकरी पट्टा

ताएदाद स्येया :- मोवलीग 400/- चार सौ स्येया

तमतील जाएदाद :- मवाजी 75 पचछ कडो जमीन
परती कदीम रहआगे काएमी धाना
नं० 148 प्लॉट नं० $\frac{2433}{2474}$ वो

मुनतीपल सरखे प्लॉट नं० 3024 में

पूरब जानीब जीतका नाम ~~कालो~~ दरपील :

कं० 114 फीट वो पूरब पडोम 28 फीट

~~काइको हरी~~

के तरफ जो हरि शंकर राम
के बीहा से है जिसके उत्तर
ससक भंडरा राड.

सही देवी देआल साहु मो० 400/-
चार सौ स्येया लेकर नगर बिकरी
बेला क्लासी लिड स्येया
वा० सा० ता० 15-4-47

मा० मो० कलीम
सा० लोहरदगा
ता० 15-4-47

जमीन का जमीनदारी

द० मकान मनमोकीर पू०
मकान हरीशंकर राम प० मनमोकीर का जीवाहरे
वाके मौजा लोहरदगा पू० सुखरा धाना लोहरदगा
धाना नं० - 194 अदर मुन्तीपली टी लोहरदगा
वाहँ नं० - 4 जीला रांची जो मुतअलके
क्लेक्ट्री वो डिस्ट्रीक्ट रीजि० वो सब रीजि०
मोकाम लोहरदगा जो कब्जे दखल में मन
मोकीर के वजरीये बटवारा के चला आता है
वो वक्त डीवीजनल सेटलेमेन्ट के कब्जा
मनमोकीर अलैह का हरज हुवा है जो खाता
हिस्ता मनमोकीर का है अदर जमीनदारी
महाराजा प्रताप उदय नाथ शाहदेव शा०
राठू जीला रांची मु० खेवट नं० - 1
जिसका मालगुजारी सालाने मोवलीग
10/- चार आना है ते मोबइया
दखीन लम्बा - 114 फीट वो पूरब-पछीम
29 फीट चौड़ा है नामे टगरा बगैया टाड़
परती दखीम है ।

गा० काली प्रसाद

सा० लोहरदगा

15.4.47

कीर्त्तिकावती देवी

धु मनमोकीर को वास्ते काम जरूरीआत के स्मैया का
अदास जरूरत है इतलिये मनमोकीर मोकीर अलैह मौसूफ
को भोवलीग 400/- चार ती स्मैया नगद लीया वो
स्मैया मजकुरे वाला को जरतमन करा र देकर
बबदल जरतमन मजकुर के जमीन मजकुरे वाला
के साथ मोकीर अलैह मौसूफ के तमामी कुल
हक हकुक के दिया वो बैला क्लामी किया
वो वजास मनमोकीर के उपर से मोबइया के
मुस्तारी ~~होसूफ~~ भोग काबीज दखलकार गरदाना चाहिसे
के मुस्तारी मौसूफ मे उनके वारीतान कासम
मोकामीयान आल औलाद जन फरजदान वाद
कतनन रक्बा दीगेर उपर से मोबइया के
कासम वो काबीज दखलकार होकर वो रहकर
जेता मुनासीब सम्ये काम करके जो कुछ
आ मरनी नगदो वो जीनसी वगेरह होवे
तो सब भोग तसस्फ किया करें और उजूर
मनमोकीर या वारीतान कासम मोकामीयान
मनमोकीर को नहीं होगा वो कुल हक
हकुक मनमोकीर या वारीतान कासम
मोकामीयान मनमोकीर के उपर सब
मोबइया मजकुर के साथ पा या आइन्दे
होता तो सब कुल हक हकुक वजीन सह
आज ता रीख से मोकीर मय वारीतान
कासम मोकामीयान का हुआ वो होगा

मीनाक्षरी देवी

अब आज तारीख को किसी
किसी का हक वो दावा वास्ता सरोकार
से मोबइया का बाकी नहीं रहा वो
ना आइन्हे होगा वो से मोबइया का
माल तालाने मो०- 10/- चार आना अलावे
सेत अब मोकीर मये वारीतान कासम
मोबामीयान जमीनदार मौजा मणकुर को
देकर रसीद अपने नाम से हासिल
किया करे कोई उजूर मनमोकीर वो
वारीतान मनमोकीर को नहीं होगा
वो मनमोकीर ने मुशातरी मौसूफ को
विश्वास दिलाते है कि से मोबइया
हर तरह से पाक साफ है किसी की सी म
का वारदेन या वारकेसलत वगैरह
किया हुवा मनमोकीर का नहीं है
वो किसी दूसरे का हक निकले या
पाया जाए या दूसरो का हकुक
करे तो उसका जबाबदेह मनमोकीर
वा वारीतान मनमोकीर है वो होंगे
मुशातरी मौसूफ पर वास्ता सरोकार
नहीं है इस वासत मनमोकीर बहुत
रहकर केवाला बैला कलामी
लिख दिया कि वख्त पर काम आवे
तारीख, 15-4-47 १५ नवंबर माह सन्
1947 सेतालिख पा० खा० राची
कालीब अहल खैर सा० लोहरदगा ने मजबुन पढ़कर
मोकीर को सुना समझा दिया

नीला पती देवी